

DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE UNIVERSITY Owing Upgradation of Ranchi C. ii (Following Upgradation of Ranchi College, Ranchi, under RUSA Programme, Component-I)

Ranchi, Jharkhand.

Memo No. : DSPMU/G/.196./21

Date: 1.9./04/2021

सेवा में,

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षक एवं वर्तमान में कार्यरत शिक्षक ।

विषय :LPA No. 22 of 2018 (State of Jharkhand and others V/s Prashant Kumar Mishra & others, Contempt No. 756/2018 के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त LPA No. 22 of 2018 एवं Contempt No. 756/2018 तथा झारखण्ड सरकार का पत्र पत्रांक 5 / मु0—130 / 2013 (अंश) 1864 / झारखण्ड सरकार उच्च शिक्षा विभाग (उच्च शिक्षा निदेशालय) दिनांक 06.09.2019 के आलोक में आपसे अनुरोध है कि किसी तरह का बकाया राशि अथवा वेतन निर्धारण में त्रुटि है तो विश्वविद्यालय कार्यालय को इस संबंध में सूचित करने की कृपा की जाए। कुलपति के आदेशानुसार।

भवदीय

कुलसचिव 19.04.2021

संलग्नक : उच्च शिक्षा निदेशालय का 5/मु0-130/2013 (अंश) 1864/झारखण्ड सरकार दिनांक

प्रतिलिपि:

1. इन्द्र नाथ साह, वेबसाईट इन्चार्ज CO ALQUAD CAMERA

प्रेषक.

निदेशक, उच्च शिक्षा।

सेवा में,

कुलसचिव, राँची विश्वविद्यालय, राँची। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर, पलामू। कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा। सिदो—कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद। डाँ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची।

राँची, दिनांक- 06:09 2019

विषय:-

L.P.A No. 22 of 2018 (State of Jharkhand & Ors. Vs. Prashant Kumar Mishra & Ors) के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में निम्नांकित बिन्दुवार जानकारी उपलब्ध कराने की कृपा करे ताकि ससमय प्रतिशपथ पत्र दायर किया जा सके:—

- 1. What is the total number of such readers, in the entire State of Jharkhand in various universities who were granted such promotion under Time Bound Scheme?
- 2. What is the total number of readers who were granted promotion under Merit Promotion Scheme up to 1995, till the Time Bound Scheme was in operation?
- 3. How much is the financial implication if the impugned judgment of the Writ Court is allowed to stand? It runs into lakhs or crores, roughly/exact figures may be pointed out. This is required because, such pay scale as indicated above is to be granted from 01.01.1996.
- 4. What is the factual aspect as on date? Whether the writ petitioners' pay scale has now been fixed in the scale of Rs. 12,000 – 18,300/-? If the the answer is in affirmative, the date thereof be indicated as to from which date they are getting such pay scale.

विश्वासभाजन

(सुशांत गौरव) निदेशक, उच्च शिक्षा।